

पीएम ने शिवराज के नाम और काम से कन्ली काटी

भाजपा कार्यकर्ता महाकुंभ को कांग्रेस ने बताया जुमले का महाकुंभ, सुरजेवाला ने पांच पॉइंट में किया पलटवार

● **डिजिटल युग रिपोर्ट**
भारण। जेपी मंगल हनु भाजपा के कार्यकर्ता महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के बाद कांसेस ने पलटवार किया है। दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और मध्य प्रदेश के प्रशासक प्रभाकर रायचौरी सिंह सुरजेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- भाजपा का कार्यक्रम महाकुंभ जुमले का महाकुंभ किया।

सुरजेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने शिवराज के नाम और काम दोनों से कांसेस काट ली। उन्होंने कहा कि मोदी पिछले 18 साल में मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई एक स्कोप का भी नाम नहीं रखा है। कांग्रेसों परपे जाने को सब बहाना करके मध्य प्रदेश का नाम रखा। कार्यक्रम महकुंभ फलन शो खसिन हुआ। 10 लाख कार्यकर्ता

जुटने के लिए बहाने और सरकारी बसें लगा दीं। हजारों कार्यकर्ता तो पूरे, 50 हजार लोग भी नाम नहीं कर पाए।

सुरजेवाला ने कहा- कार्यक्रम में कई कर्मचारी ने बहाने बने हैं। प्रधानमंत्री ने शिवराज के नाम और काम दोनों से कांसेस काट ली। पीएम ने 18 साल में भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई एक स्कोप की भी चर्चा करना पसंद नहीं सामग। क्योंकि प्रधानमंत्री जमाने हैं कि शिवराज सरकार की योजनाएं पट्टाकार की भेंट चढ़ चुकी हैं। आयोजन के मंच पर दो झुंटे नेता एक-दूसरे के झुंटे पर वारियल बजाने रहे। सुरजेवाला के झुंटे हकीम खाने देखते रहे। किसी तरह से मध्य प्रदेश की समाधान जनता प्रथिन हो जाए। मध्य प्रदेश के 8.5 करोड़ लोग प्रधानमंत्री के भाषणों के झुंटे और शिवराज सरकार की जमाने से झुंटे का जखब जानना चाहते हैं। उनके

पांच पल्टु लेकर मैं आया हूं।

सुरजेवाला ने 18 साल में भविष्य बर्बाद होते देखा-सुरजेवाला ने कहा- प्रधानमंत्री ने कुछ पोटेंट की चर्चा की। कुछ पोटेंट ने 18 साल की भाजपा सरकार में क्या देखा? प्रधानमंत्री ने कहा कि पल्टी का बोट टे दे रहे लोगों ने मध्य प्रदेश में तरकमी देखी, लेकिन सवाल मोदी और भाजपा निर्मित मध्यमंड के चलते एक सिक्किट भी नहीं भरा गया। 18 लाख उज्जवाल बहाने देखी हैं, जिनके मध्यमंड के चलते केवल एक सिक्किट भरखाया। यानी 82 में 62 लाख उज्जवाल बहाने के घरी में धुआं भरकर आठ उज्जवाल बहाने की खात करते हैं।

आयुष्मान योजना का इस्तेमाल कर दिवा-सुरजेवाला ने कहा- आयुष्मान योजना की प्रधानमंत्री ने चर्चा की, जो राधव भी कैग की

कनेक्शन नहीं। 29 लाख स्कूलों पर ही लागू लफ्फर बंद कर दिए गए।

62 लाख उज्जवाल बहाने के घरी में धुआं भर दिया-सुरजेवाला ने कहा- प्रधानमंत्री उज्जवाल बहाने की चर्चा तो करते हैं, लेकिन यह पल्टु जाते हैं कि मध्य प्रदेश में 82 लाख उज्जवाल बहाने में से 44 लाख ने मिलते सवाल मोदी और भाजपा निर्मित मध्यमंड के चलते एक सिक्किट भी नहीं भरा गया। 18 लाख उज्जवाल बहाने देखी हैं, जिनके मध्यमंड के चलते केवल एक सिक्किट भरखाया। यानी 82 में 62 लाख उज्जवाल बहाने के घरी में धुआं भरकर आठ उज्जवाल बहाने की खात करते हैं।

आयुष्मान योजना का इस्तेमाल कर दिवा-सुरजेवाला ने कहा- आयुष्मान योजना की प्रधानमंत्री ने चर्चा की, जो राधव भी कैग की

रिपोर्ट भी पढ़ लेंगे। रिपोर्ट की रिपोर्ट में बताया गया कि कोरोना के दौरान शिवराज के सरकार ने मूठो तक का इलाज कर दिया। किसानों की आयुष्मान की चर्चा हुई, लेकिन किसानों की आयुष्मान में बहोती नहीं हुई, बल्कि दोपुना बंद कर दिया। गैर की चर्चा हुई। कासा! मध्य प्रदेश से आने वाले कृषि मंत्री से ही पीएम चर्चा कर लेंगे।

परिषदमंत्री स्टैंडिंग कमेटी और एग्जिक्यूटिव ने कहा कि मध्य प्रदेश देश के चार राज्यों में से एक है, जहां 2015-16 के मूकबले किसानों की आयुष्मान को हाई। मध्य प्रदेश में अब किसानों की आयु 23 रूप्य प्रतिदिन है। यह हम नहीं, उनको सरकार ही कर रही है।

अबने नक्सल का बयान-शिवराज सरकार की तरह था पीएम का इशारा- पीएम द्वारा अबने नक्सल के बयान

पर सुरजेवाला ने कहा- मध्य प्रदेश के भविष्य को ही शिवराज सरकार ने डेजिन किया है। मध्य प्रदेश की बलि चढ़ा दिया। कासा! प्रधानमंत्री महाकुंभ के डेजे की बयान कर लेंगे। जहां मुर्तियां हवा में गिर रही हैं। जिनको भी भयानक को नहीं बखाल, यह किसको बखालें। प्रधानमंत्री की, शाहव शिवराज सरकार की तरह इशारा कर रहे थे। पल्टी से बाल कांसेस की कर रहे थे।

कास निर्माण हुआ- पीएम द्वारा कांसेस को जंग लगा लोहा बताने पर सुरजेवाला ने कहा- कांसेस का लोहा मजबूत है। कांसेस के लोहे ने इस देश को बनाना है मजबूत किया है। इस देश की संरचना की है। मैंने चीन से लोहा लाकर मुर्तियां बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। देश के कुबानी के लोहे से इस देश को सँवा है, सँवा था और सँवाती रहेगी।

जान आक्रोश वाज्रा में पटवारी के सामने हमला

कांसेस नेत्री को मंच पर जाने से रोका, विधायक के बेटे और भाई पर रप पीडिया

को धमकाने का आरोप

● **डिजिटल युग रिपोर्ट**
इंदौर। बहुराज में कांसेस की जान आक्रोश वाज्रा में पूर्व मंत्री जेपी पटवारी के सामने जखब हुआ है। कांसेस में शामिल बहुराज विधायक मुरली मोरखाल के बेटे करण मोरखाल पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली दुवती को मंच पर चढ़ाने नहीं दिया गया। दुवती ने आरोप लगाया कि विधायक, उनके बेटे और भाई के साथ-साथ उनके सम्बन्धों में अल्टीमटम हरकत की और मी-टीवी गलियां भी दी। जिसके बाद उन्हें कांसेस छोड़कर जाना पड़ा। जान आक्रोश वाज्रा बहुराज पूर्ववी भी। यहाँ पर कई जखब लेने के खयाल के बाद बस स्टैंड के फस राधा का आयोजन किया गया, लेकिन आयोजन में उस समय हमला मच गया। जब युव कांसेस की प्रदेश महासचिव मंच पर जाने लगे। इस दौरान विधायक मुरली मोरखाल, शिवल मोरखाल और भाई हनुद मोरखाल ने दुवती को जाने से रोके दिया।

गोवा के स्वास्थ्य मंत्री भरम आरती में शामिल हुए

उम्मी- गोवा के स्वास्थ्य मंत्री शिविनी ठोरे ने शंकराक्षर का पूजन अंजन किया आरती के लीन किए। उम्मी में हीन से बब शंकराक्षर की आरती देखी और उम्मे का बब महाकर का पूजन अंजन किया। पूजन प. अक्षर पूज क्रम समाप्त कराया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरे मोदी ही गोवा की जलन उनके का हीन हूँ ही और देश के सन ही गोवा सलन ही जलन ही फेरी मोदी बब महाकर से उम्मी की है।

Issues with Your Partner?

Habits Doubts

External-Affairs Family Disputes

Jealousy Misunderstanding

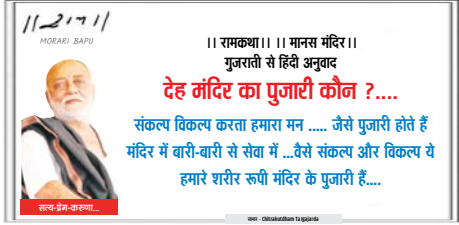
TALK TO US
+91-9111030505
www.counsellingclub.co.in
info.counsellingclub@gmail.com

समस्या आपकी - समाधान आपकी

संपादकीय

खुद गमीर नहीं

दुनिया के सामने कई नए खतरे पैदा हो रहे हैं। सबसे भयावह तो जलवायु परिवर्तन की वजह से पैदा खतरा है। हर साल अलग-अलग परिवर्तन पर सम्मेलन होता है, उनमें कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के संकल्प दोहराए जाते हैं, मगर विकसित देश खुद इसे लेकर गंभीर नजर नहीं आते। पिछली बार कार्बन उत्सर्जन करने वाले देशों पर मुआवजे का प्रस्ताव आया, तो वे उस पर चुपठी साध गए। यह छिपी बात नहीं है कि दुनिया के संपन्न देश कमजोर देशों की तस्करी में बाधा बनते रहे हैं। उन्होंने हर वैश्विक मामले में अपना दबदबा कायम कर रखा है। इसकी वजह से दुनिया में कई तरह के असंतुलन दिखाई देते हैं। भारतीय विदेशमन्त्री एस जयशंकर ने एक बार फिर यह बात दोहराई कि जो देश प्रभावशाली स्थिति में हैं, वे बदलाव का विश्व करते हैं। जयशंकर अनेक मंचों पर परिश्रम के दोहरे रवेये पर खुल कर बोल चुके हैं। इस बार उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य मंचों को हवाला देते हुए कहा कि वैश्विक उत्तर के देश बदलाव के पक्ष में नहीं दिखते। जिनका आर्थिक प्रभुत्व है, वे अपनी उत्पादन क्षमता का लाभ उठा रहे हैं और जिनके पास संस्थागत शक्ति है, वे कई तरह की क्षमताओं का हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह वैश्विक दक्षिण के देश अपनी क्षमताओं का पूरा तरह प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। वैश्विक उत्तर का अर्थ उभर संपन्न देशों से है जिनमें उत्तरी अमेरिका, यूरोप, इंग्लैंड, जापान, आस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। दुनिया देशों में मुख्य रूप से एशिया और लातिन अमेरिका के देश शुमार हैं, जिन्हें विकासशील देश कहा जाता है। इनमें भारत अग्रगण्य है। हालांकि वैश्विक उत्तर के देश वैश्विक दक्षिण के देशों की क्षमताओं से आश्चरित नहीं हैं। जब उन्हें लगने लगा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकासशील कहें जाने वाले देशों को अलग-बलग रख कर विकास की इबारत नहीं लिखी जा सकती, तब उन्होंने जी-7 का विस्तार करते हुए जी-20 का गठन किया था। इस बार दिल्ली में हुए जी-20 के शिखर सम्मेलन में अग्रणी संघ को भी शामिल कर लिया गया। इस मौके पर दावा किया गया कि वैश्विक दक्षिण के देश ही आने वाले वक़्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था की नई तस्वीर खींचेंगे। मगर इन देशों के पास बड़ा बाजार, सस्ता श्रम और उत्पादन की विशाल संभावनाएँ होने के बावजूद विकसित कहें जाने वाले देशों के दोहरे रवेये की वजह से अपना पूरा योगदान देने में सक्षम नहीं हो पा रहे। विकसित देशों के हाथ में संयुक्त राष्ट्र की कमान है। सुरक्षा परिषद का विस्तार व करना नहीं चाहते, इस तरह वे अपने निहित स्वार्थों के मुताबिक कमजोर देशों को दबाए रखने में सफल हो जाते हैं।



॥ रामकथा ॥ ॥ मानस मंदिर ॥
गुजराती से हिंदी अनुवाद

देह मंदिर का पुजारी कौन ?....

संकल्प विकल्प करता हमारा मन जैसे पुजारी होते हैं
मंदिर में बारी-बारी से सेवा में ...वेसे संकल्प और विकल्प ये
हमारे शरीर रूपी मंदिर के पुजारी हैं....

Health is Wealth

क्या गर्भनिरोधक गोलियां खाना वाकई में है सेफ?

खाने से पहले जानिए

दुनिया की जनसंख्या तेज रफ़्तार से बढ़ रही है। ऐसे में इसे रोकने के लिए तमाम सरकारों और कई वैश्विक संस्थाएँ लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। यही वजह है कि हर साल 26 सितंबर को 'विश्व गर्भनिरोधक दिवस' मनाया जाता है। कई रिपोर्ट्स से ये पता चलता है कि बड़ी संख्या में लोग कॉन्ट्रासेप्टिव का इस्तेमाल नहीं करते। ऐसे में अनचाही प्रेग्नेंसी से बचने के लिए वह गर्भनिरोधक दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, इसे खाने से पहले हर किसी के मन में ये सवाल रहता है कि क्या कॉन्ट्रासेप्टिव दवाओं का इस्तेमाल करना सेफ होता है। ऐसे में यहाँ जानते हैं कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स से जुड़ी बातों के बारे में।



इन बदलावों पर रखें नजर

पिल्स की मान तो गोली लेने वाले ज्यादातर लोगों को काई भी समस्या नहीं होगी। लेकिन किसी मामले में परेशानी हो सकती है, ऐसे में उदा खाने के बाद इन लक्षणों पर ध्यान दें।

- पसीना या सांस लेने में परेशानी के साथ अचानक पीट/जवड़े में दर्द
- सांस लेने में तकलीफ
- पेट में तेज दर्द
- सिरदर्द
- त्वचा या आंखों का पीला पड़ना
- सीने में दर्द या बेवैनी
- पैर में दर्द

Quote...

“Don't judge each day by the harvest you reap but by the seeds that you plant.”
-Robert Louis Stevenson

◆ क्या सेफ है कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स खाना ?

कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स दो तरह की होती हैं। एक नॉर्मल और दूसरी इमरजेंसी। ज्यादातर लोग इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह के बिना करते हैं, जो खतरनाक हो सकता है। इमरजेंसी पिल्स को सलाह में एक 'या दो' बार से ज्यादा नहीं लेना चाहिए, अन्यथा-बार-बार इन दवाओं को लेते हैं तो इसके साइड इफेक्ट हो सकते हैं। वहीं गर्भनिरोधक दवाओं का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए।

Highlights

1. **BJP fields 3 Union Ministers for upcoming Madhya Pradesh elections**
2. **Govt warns of fake Digital India jobs, shares offer letter's pics**
3. **PM Modi wishes Manmohan Singh on his 91st birthday**
4. **Farmers organisations take out bike rally in K'taka amid bandh**
5. **Sanatana Dharma critics' effigies to be burnt in Delhi on Dussehra**
6. **Biden raised Khalistani terrorist Nijjar's killing with PM Modi at G20 Summit: Report**

Moody's opinion on Aadhaar 'baseless', lacks evidence and basis: Govt

NEW DEHI, (Agency). Taking strong exception to Moody's Investors Service's views, which questioned Aadhaar workability, the Central government on Monday said that the report is prepared "without citing any evidence or basis" and that it is baseless.

Ministry of Electronics & IT in a press release said that the Aadhaar is the foundational Digital Public Infrastructure (DPI) of the India stack and that over a billion Indians trust it. "A certain investor service has, without citing any evidence or basis, made sweeping assertions against Aadhaar, the most trusted digital ID in the world. Over the last decade, over a billion Indians have expressed their trust in Aadhaar by using it to authenticate themselves over 100 billion times. To ignore such an unprecedented vote of confidence in an identity system is to imply that the users do not understand what is in their own interest," the Ministry of Electronics & IT said in the press note.

The report in question does



not cite either primary or secondary data or research in support of the opinions presented in it. The investor service did not make any attempt to ascertain facts regarding the issues raised by the Authority. The sole reference cited in the report is in respect of the Unique Identification Authority of India (UIDAI), by referring to its website. However, the report incorrectly cites the number of Aadhaars issued as 12 billion, although the website prominently gives the updated numbers," it read.

"The report avers that the use of biometric technologies results in service denials for manual laborers in India's hot, humid climate, an obvious ref-

erence to India's Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGS). However, it is evident that the authors of the report are unaware that the seeding of Aadhaar in the MGNREGS database has been done without requiring the worker to authenticate using their biometrics, and that even payment to workers under the scheme is made by directly crediting money in their account and does not require the worker to authenticate using their biometrics. The report ignores that biometric submission is also possible through contactless means like face authentication and iris authentication.

'Not the way': RBI finds 'excessive dominance' by 1-2 board members even in big banks

MUMBAI, (Agency). Reserve Bank Governor Shaktikanta Das has said the central bank has noticed "excessive dominance" by one or two board members even in "big commercial banks" and asked the lenders to desist from such practices.

Board discussions have to be free, fair and democratic, Das said, addressing directors of Urban Cooperative Banks (UCBs) at a meeting organised by the Reserve Bank of India (RBI) here.



The governor delivered the speech on August 30 and the video was uploaded by the RBI on YouTube on Monday. "There should not be an over-domi-

nance or excessive dominance by one or two members of the board, or the chairman or the vice-chairman. We have seen this even in big commercial banks... wherever we have seen this, we have told the bank that this is not the way," he said. He said all directors need to be given a chance to speak and a particular director's say should not be the final one on a matter. The governor, who made the point while illustrating the impor-

tance of a well-functioning board, however, did not elaborate further. In the past, the Indian banking system has witnessed problems at the promoter-led YES Bank, which had to be bailed out in an SBI-led initiative, which was supported by the RBI and the government. YES Bank Co-Founder Rana Kapoor, who was also its Chief Executive and Managing Director, was arrested in connection with the irregularities at the bank.

राष्ट्रपति के लिए रहेगी कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था
चापे-चापे पर तैयार रहेंगे पुलिसकर्मी

डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दो दिवसीय शीला चण्डी मिट्टी धरमकावने में 27 सितंबर को राष्ट्रपति ड्रेमोई मुर्मू भी शामिल होंगे। राष्ट्रपती के आगमन को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। करीब 550 पुलिसकर्मी कार्यक्रम स्थल के आसपास चपे-चापे पर तैयार होंगे। वहीं राष्ट्रपति के इंदौर आगमन के बाद सभी मामों पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। 26 सितंबर से होने वाले दो दिवसीय शीला चण्डी मिट्टी धरमकावने के लिए लेखकर से आरंभियों के आगमन का निगरानिया सुरक्षा बल है। आरंभियों में देना भी वही स्पष्ट मिट्टी के अंशकर्मियों को से चलाया गया है। 26 सितंबर को कार्यक्रम में राष्ट्रपति ड्रेमोई मुर्मू भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति को सुरक्षा के लिए चार से अधिक आद्योपगो अधिकारी मौजूद रहेंगे। वहीं करीब 550 पुलिसकर्मी हर जगह तैयार रहेंगे। सुरक्षा के लिए अन्य इलाकों से भी पुलिस बल बुलाया गया है। कार्यक्रम स्थल सिविलिट कमेटीनर सेंटर के चारों ओर पुलिस का घेरा रहेगा। आगमन की क्षितिज पर भी पुलिसकर्मी तैयार होंगे। कार्यक्रम स्थल पर सोमवार को राधा पक्काडी की टीम ने स्थल की एक-एक जगह की जांच की है। साथ ही चारों तरफ दृष्टि पर तैयार पुलिसकर्मीयों की इंतजाम भी करायाई गई।

लेखरार सहित चार लोगों पर हमले करने वाले पकड़ाए

◆ सीसीटीवी फुटेज देखकर पुलिस ने किया आरोपियों का पीछा

डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रविवार रात से सोमवार अलसूद तक एक एक के बाद एक चारकुवाडी की सीरियलन चारादान करने वाले दो बदमाशों को भंवरकुआ पुलिस ने हिरासत में ले लिया। एक बदमाश अभी भी पकड़ा है। आरोपी चंदन नगर इलाके के रहने वाले हैं। उन्होंने ही डीपीसीवी के लेखरार सहित चार बाना इलाकों में चारकुवाडी की चारादान की थी।

कानिफाज और आबाद नगर पुलिस को चारादान की जानकारी मिली। वहीं

दो धानों की पुलिस लगातार आरोपियों का पीछा कर रही थी। बाना जगह है कि आरोपी नग्रा करने के आदी हैं। उन्होंने एचक पूरा करने के लिए सरकू चरने लोंगों पर हमला करने की बात कबुली है।

भंवरकुआ इलाके में सोमवार सुनाह चार बजे के लगभग एगल अस्पताल के पास आरदो पुर रीव गुला निवासी निवासी समरक बाबज हाटलत मैकेनिक नगर को नूर हाटलत के सामने थलाक सवार तीन बदमाश चारकु मातक भाग निकले। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज आने के

बाद पुलिस ने आरोपियों को तलाश शुरू की।

पुडिगनगल डीपीवी अर्धभन विरकमण्य रात में आरोपियों की जानकारी निकालते रहे। उनकी लोकेशन पर भंवरकुआ और एखवी बाजार टीम चंदन नगर इलाके में पहुंची। वहां से दो आरोपी आरदत और अरुण को हिरासत में ले लिया। भंवरकुआ पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

आरोपियों ने लेखरार विलेप पुर कमअभार पर भी रीकवार रात आरटीओ रोड की थलाह रीप के वल

चाकु से हमला किया था। इस मामले में लगातार आरदपु पुलिस को टीम आरोपियों के पीछे लगे थी। हिरासत टीम को जानकारी मिली कि थलाह चार बजे के लगभग भंवरकुआ में भी एही तरह की चारादान हुई है।

वहीं इन बदमाशों ने कानिफाज से पकर्सिप के बीच भी तुकक को चारकु माते। वहां से आबादनगर, अरदपुगल इलाकों में चारादान करते हुए चंदन नगर चले गये। अरदत इस मामले में देहाह तक मामले का खुलासा करेगे। आरोपियों के दोसरे मामों को थलाह की जा रही है।

642 मोबाइल पकड़ाने के बाद लगातार बढ़ रही आरोपियों की संख्या

डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। चौकी बाजार पुलिस 642 मोबाइल धरमकर करने के मामले में जल्द ही आरोपियों को संख्या बढ़ाएगी। मामलों में पकड़े गए रिट्टे, उरु, मीसल और बरगन से रिट्टाव के दौरान अन्य सखियों के नाम कलने हैं। इसमें जिन ठीक की एक मोबाइल तुकान पर काम करने वाले असलान का नाम भी सामने आया है।

मोबाइल रिट्टे के सखन रिट्टेव चरामनी की निगरानी के बाद से असलान पकड़ा है। उसकी लोकेशन अभी चरामनी से मिली है। क्रामन का रिट्टे के फीट से लोकेशन बरामन करने वाले सुभम को भी सारणों से तलाश में जुटी है। इस मामले में करीब आध दर्जन आरोपियों को हिरासती में लाया है। पुलिसनर डीपीवी बाजार डेडीकैश की टीम ने 642 मोबाइल की जांच आने बहाते हुए दो सुभम सखन जिन दो रिट्टेव चरामनी और उसके मोबाइल रिट्टेव चरामनी और सखन के साथ एक अन्य सखी जिन को पकड़ा है। इस मामले में असलान रोड और सुभम की निगरानी लेना बकी है। क्रामन बांच को पकड़ाने में रिट्टे ने

असलान का नाम बताया था। वह पुलिस के लिए मुखबियों का काम भी करता है। जिन रोड पर एक मोबाइल तुकान पर काम करने बहात असलान क्रामन कोर्ट के मोबाइल रिट्टे को पकड़ा है। रिट्टे रिट्टेव हिराने के लिए सुभम को पकड़ने के फले जिन ने अपने मोबाइल जिन को देना था। असलान को पकड़ने के लिए क्रामन बांच ने देनाही दो थी। लेकिन उसे जानकारी नहीं थी। इसके बाद वह रुकनन भाग गया। वहां पहुंचकर उसने अपना मोबाइल बंद कर दिया।

देवास के कंजर को पकड़ा, अफसरों तक पहुंची बात

असलान के क्रामन बांच के पुलिसकर्मीयों से जुड़े होने की बात भी सामने आई है। जाकरी की मुआफिक कुछ रिट्टे चरामन बांच के रिट्टाव ने उसकी मदद से देवास के करम रिट्टेव के मेमर अंशुव हाड़ा को पकड़ा था। क्रामन बांच ने उससे 3.6 मोबाइल और चरमन बांच। 26 मोबाइल हाड़ा को छोड़ दिया था। क्रामन बांच के अफसरों तक जग यह बात पहुंची तो उन्होंने इस मामले में कुछ पुलिसकर्मीयों को लेकर जांच बैठाई है।

मोबाइल पकड़ाने वाले सुभम की तलाश

जिन के बाद राकरी बहात पुलिस ने सुभम को से जगह देनाही थी थी। सुभम ने ही जिन का रिट्टाव बहात। लेकिन सुभम के पकड़ने के फले जिन ने अपने भाई रिट्टे को सुभम के पकड़ने की जानकारी दी। लेकिन उसे रिट्टे आने पकड़े के सख मात रिट्टेव लेने पकड़ा। अब क्रामन बांच आरद डूली की रिट्टावी रिट्टेव और उरवी सखी के पीछे भगे। इस बीच सुभम नीया देखकर फरार हो गया। क्रामन बांच सुभम की जाकरीय निकालने में लगे हैं। उससे और जाकरीय निर करानी है।

मुंबई पुलिस कर सलती है पूछताछ

इंदौर क्रामन बांच ने जिन के यहां से जो बला जगह किया था, उनसे अधिकतर सख मुक्त का है। क्रामन बांच ने अब इस मामले में जाकरीय रिट्टाव ले मुंबई पुलिस से बहा हुई। मुंबई पुलिस रिट्टेव बांच की रिट्टाव जिन से पूछताछ करने इंदौर आ सकती है। इधर जिन टिंटू को रिट्टेव का रिट्टाव गया। इधर जिन टिंटू 27 सितंबर को रिट्टाव में है।

मोपाल में हुई मूर्तियां चोरी
इंदौर जैन समाज में रोष

◆ जैन समाज की मांग जल्द दिलाए भगवान की मूर्तियां

डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राजकनी मोपाल में एररदोड रोड सिवाय धरमन नगर के दिवकर जैन मंदिर में चोरी में चारादान की अंजम दिवारा चार वहां से भरकलन के तीन मुर्तियों सहित चोरी का चुर, सिखलन, कलरा और समान लेका भाग निकले। इस फुटेज से मोपाल के सख ले पूरे प्रदेश के जैन समाज में रोष व्याप्त है।

दिवकर जैन समाज के पुरुषों का चुर कर ले। जैन मंदिरों में चारादान की है। रविवार को चुरा चरादी का चुरा होने के चारादान 11 बजे तक लेका सखलन नगर सिवाय जैन मंदिर में चरादी करने पहुंचे थे। रात लगभग सखे चरादी बने मंदिर बंद किया गब था। सोमवार सुनाह जब लोक मंदिर में चुरा अरुवन को पहुंचे तो मंदिर के लाने टोटे हैं और मंदिर की चोरी पर निगरानिया लेने मूर्तियां धरमन चरादी। पुरुषों का देहाह सखी जैन का निरय चरादी है कि पूरन अधिक के चरादी की जाल धरमन करे हैं। मंदिर से धरमन की मूर्तियां चोरी होने से लोभों में रोष व्याप्त हो गया। मूर्तियां अरु-अरु लयाकर धरने पर बैस गईं। मंदिर स्थिति के अरुअर सुभम जैन और मोपाल रिट्टाव जैन पंचमल सखी के अरुअर मरज जैन का समानाज के सख रिट्टेव दान करने चले चले और मामले को निगरानिया की। वहीं इस घटना को लेकर इंदौर नगर दिवकर जैन समाज सखीजक

संखर ने इसकी रिज की थी। रिजिन जैन सखय सखीजक संखर के अरुअर राजकनी पकड़ने, सुरील चरुव, डॉ जैनदु जैन फेडरेशन के सुदुपिन अरुअर रिजिन विनकरन सखीग टूरट के अरुअर अरिज कासलकलन, परकर समान के अरुअर सखी सखी, परकर समान मॉडलन सखीय की अरुअर चुरादी जैन, सखीय जैन, सखीय मीठी, राकरी जैन, उरुके बंद, सखीय जैन आरिज सखीजक ने सखर से और पुलिस प्ररारन से इस चोरी को घटना का जल्द से जल्द चार लेने और चोरी को पकड़ कर जिन को रिट्टाव सखय दिवकरन की मांग की है। अधिकतर जाल मुर्तियां पर जैन समाज ने सखर और पुलिस प्ररारन के निगरन प्रररन करने के चेहरादी है।

अक्टूबर से विवाह, युक्त घायल

इंदौर। बरगनाइ इलाके में एक शहरर से रिज के घेराव नीया बहात करने एक युक्त पर आरोपी ने बहात से हमला कर उसे घायल कर दिया। अक्टूबर शिशु रिज संखी जैन। निवासी बरगनी इस घुसप घरादल रिज शिवाघर पर चला दुरादरिडिड मरगलया रिजिटी रोड दिवकरा घाते का घेरा दर्ज किया है। अक्टूबर के मुआफिक आरोपी दोहा दिवकरा चार से सखी गलीक कर रहे हैं। उन लोभों को रोक ले आरोपी अरुनी धार से सेवकल स घेरे इडा निगरानिया लाग और हमला बंद किया।



DGR
Detective Group Report
रहाकर रहे-सुअरन ट्री अंशिकलन

YouTube Detective Group Report
SUBSCRIBE

दैनिक समाचार/पत्र/व्यूज पोर्टल/व्यूज चैनल

Daily Newspaper
www.dgr.co.in

Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com

Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें

+91 91110 30505

Email: dgrnewsnetwork@gmail.com